Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ मासिक शिवरात्रि पारण विधि ॥

॥ हर हर महादेव ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ व्रत खोलने से पहले ॥

पारण का समय

मासिक शिवरात्रि की रात्रि पूजा के बाद अगले दिन सुबह व्रत खोलने की प्रचलित रीति है। तिथि के समाप्त होने का समय हर महीने और स्थान पर बदलता है; अपने नगर के पंचांग या परिवार की परंपरा के अनुसार पारण का समय तय करें।

सुबह की पूजा

स्वच्छ होकर शिव को प्रणाम करें। जल, फूल या बिल्वपत्र अर्पित कर संक्षिप्त प्रार्थना और आरती करें। पूजा की सामग्री समेटकर स्थान साफ रखें। भोजन से पहले प्रसाद श्रद्धा से ग्रहण किया जा सकता है।

जल और भोजन

अपने स्वास्थ्य और घर की रीति के अनुसार पानी, फल या हल्का सात्त्विक भोजन लेकर पारण करें। लंबे उपवास के बाद तुरंत बहुत भारी भोजन न लें। परिवार की रसोई में उपलब्ध सरल भोजन पर्याप्त है।

यदि रात में या सुबह चक्कर, कमजोरी या अस्वस्थता हो तो निर्धारित मुहूर्त की प्रतीक्षा में आवश्यक पानी-भोजन या चिकित्सा न टालें।

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पारण के बाद का व्यवहार ॥

दान और प्रसाद

इच्छा और सामर्थ्य से प्रसाद या भोजन दूसरों के साथ बाँटें। अन्न, वस्त्र या उपयोगी वस्तु का दान किया जा सकता है। कोई निश्चित राशि या महँगा सामान अनिवार्य नहीं है।

अगले महीने का संकल्प

यदि नियमित मासिक व्रत रखते हैं तो अगले कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी की तिथि देख लें। परिवार, काम और स्वास्थ्य के अनुसार अपने पूजन का समय चुनें। बीच में व्रत न रख पाएँ तो शिव स्मरण और सरल पूजा जारी रख सकते हैं।

व्यक्तिगत सावधानी

मधुमेह, रक्तचाप, गर्भावस्था, स्तनपान, नियमित दवाएँ या अन्य स्वास्थ्य स्थिति में पारण और उपवास का भोजन चिकित्सकीय निर्देश से तय करें। पर्याप्त विश्राम लें।

पारण का भाव संकल्प को कृतज्ञता से पूरा करना है। अलग क्षेत्रों में भोजन और समय की रीति बदल सकती है।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥